सकारात्मक स्पंदन पुष्टि - पुष्टि संवर्धन

Vibrant Pushti

" जय श्री कृष्ण "

रंग से रंग

रंग से रंगे मन

मन से रंगे तरंग

तरंग से रंगे ख्याल

ख्याल से रंगे यार

यार से रंगे प्यार

प्यार से रंगे प्रियतम

प्रियतम से रंगे प्रिय

प्रिय से रंगे दिल

दिल से रंगे राधा

राधा राधा राधा राधा

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

अपने मुख से बोल दिया

सच कहे - कुछ न कुछ पवित्रता छा गई

मेरे मन में

मेरे नैन में

मेरी सांस में

मेरी आसपास में

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

" जय श्री कृष्ण " अपने स्वर से किसीको कह दिया

सच कहे - कुछ न कुछ दर्शन पा लिया🙏

अपने प्रभु को हमने चारों ओर देख लिया

अपने प्रभु को हमने किसी ओर में देख लिया

अपने प्रभु को हमने चारों ओर लुटा दिया

अपने प्रभु को हमने अपने नैन में बसा लिया

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

कितना मधुर है " जय श्री कृष्ण "

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

"नर देहि पायी चित्त चरण कमल दीजै

दीन बचन संतन संग दरस परस कीजै "

हम नर हम नारी

हम मन हम मानवी

हम मानस हम मानसी

हम मनु हम मनुष्य

हे प्रभु! आपको अभिनंदन करता हूं 🙏

हे प्रभु! आपको वंदन करता हूं 🙏

आपने मुझे मानस बनाया - मनुष्य बनाया

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

आपकी अहैतुक कृपा मुझ पर जो बरसाई

तो

मुझ पर और कृपा किजिए 🙏

मेरा मन मेरा चित्त सदा तेरे चरण कमल में ही स्थिर रहे 🙏

सदा मुझे ऐसे ही निरपेक्ष नर नारी मन मानवी मनु मानसी के दीन बचन संतन संग और दरस स्पर्श मिले 🙏 ऐसा अवश्य करना 🙏

क्यूं?

नर से नरोत्तम हो

नारी से नारायणी हो

मन से मनु हो

मानवी से मानवंत हो

मानस से मानसी हो

मनुष्य से पुरुषोत्तम हो

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

जीवन मार्ग

हमारा जीवन को उत्कृष्ट और श्रेष्ठ करने का मार्ग - जो हमें

१. मातापिता से मिला

२. गुरु आचार्यों से मिला

३. समाज से मिला

४. स्वयं से मिला

गहरी सोच से एकांत में बैठकर तय करे

हम कौनसे मार्ग पर चल रहे है - कौनसे मार्ग को समझते है?

जीवन मार्ग सिद्धांतों से है

जीवन मार्ग उदेश्यों से है

जीवन मार्ग संस्कारों से है

जीवन मार्ग आनंदाश्रय से है

जीवन मार्ग माधुर्यपूर्ण से है

जीवन मार्ग जागृतता से है

जीवन मार्ग साक्षरता से है

जीवन मार्ग सुरक्षितता से है

जीवन मार्ग योग्यता से है

संकल्पों से स्वीकारना है

निडरता से बांधना है

निश्चयों से डग भरना है

संस्कारों से सुसज्जित करना है

साक्षरता से अपनाना है

आनंद से उजागरना है

सुरक्षा से लुटाना है

मार्ग की परिभाषा और पराकाष्ठा सदा श्रेष्ठ हो

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

चल चल चल चल

ऐसा मार्ग पर चल

जो तुने संकल्प किये

जो तुने आदर्श किये

जो तुने मूल्य समझे

जो तुने सिद्धांत धरे

जो तुने लक्ष किये

तय करके तु चल

समझ समझ कर चल

तेरा कर्तव्य तेरा टटोल

तेरा कदम तेरा बल

तेरा डग तेरा अटल

तेरा मार्ग तेरा वीरल

तेरा ज्ञान तेरा आंचल

तेरा पाना तेरी मंझिल

तेरा सिद्धि तेरा सृजल

चल चल चल चल

पार पार कर चल

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" भगवान पा जाना "

" श्री प्रभु मिल जाना "

" ईश्वर में एकात्म हो जाना "

किसे कहते है?

हमने कहीं वार्ताओं में सुना

हमने कहीं प्रवचन में सुना

हमने कहीं शास्त्रों में पढा

हमने कहीं चरित्रों में अनुभूति पाई

हमने कहीं भक्त दर्शन पाये

हमने कहीं आत्म चेतना से छूई

हमने कहीं संस्कृति में स्पर्श पाया

जिज्ञासा प्रश्न है 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

प्रेम किसीका गुलाम नही है
जो कहीं पति पत्नी समझते है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
प्रेम तो आकाश है
जो सही हो तो वह आकाश के परिंदे है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
पति पत्नी होने से प्रेम है
नही
प्रियतम प्रिये होने से प्रेम है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
कली खिली तो फूल है
पर फूल तोड दिया तो मुरझाता है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
राधा है तो कृष्ण है ही
राधा गोपि है तो कृष्ण कान्हा है
पर
कृष्ण पटराणीओं से है
तो
कृष्ण केवल द्वारकाधीश है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
प्रेम आत्मीयता से होता है
ज्ञाति, जाती, धर्म और रीति रिवाज से नही होता
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
मन चाहे उसे प्रेम करें
नही
आत्म चाहे वही प्रेम है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
खूबसूरती से प्रेम है
अवश्य है
पर वह खूबसूरती वासनामय हो
तो
प्रेम नही पर मोहमाया है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
" Vibrant Pushti "
" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

मेरी महबूबा! 🌷

धरती की प्रकृति है मेरी महबूबा🌷

पर्वत का झरना है मेरी महबूबा🌷

आकाश का आँचल है मेरी महबूबा🌷

हवा की महक है मेरी महबूबा🌷

सागर की तरंग है मेरी महबूबा🌷

बारिश की बौछार है मेरी महबूबा🌷

सृष्टि की शृंगार है मेरी महबूबा🌷

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

हे मेरी महबूबा 🌷

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

सखी! कौन गली गये श्याम?

हे मेरा मन! कौन गली गये श्याम?

हे मेरा तन! कौन गली गये श्याम?

हे मेरा धन! कौन गली गये श्याम?

हे मेरा जीवन! कौन गली गये श्याम?

हे मेरा प्रेम! कौन गली गये श्याम?

अगर मेरा मन एक है और वह भी केवल और केवल मेरे प्रिये के पास है - तो कैसे कौन गली जा सकते है श्याम?

अगर मेरा तन यज्ञ है और वह भी केवल और केवल मेरे प्रिये के लिए तपता है - तो कैसे कौन गली जा सकते है श्याम?

अगर मेरा धन समर्पण है और वह भी केवल और केवल मेरे प्रिये के आधिन है - तो कैसे कौन गली जा सकते है श्याम?

अगर मेरा जीवन शरणागत है और वह भी केवल और केवल मेरे प्रिये के चरण में है - तो कैसे कौन गली जा सकते है श्याम?

अगर मेरा प्रेम न्योछावर है और वह भी केवल और केवल मेरे प्रिये के प्रेम से एकात्म है - तो कैसे कौन गली जा सकते है श्याम?

हाँ! सखी - वह तो मैं ही हूं जो मेरे प्रिये है 🌷

🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" बाण शैया और उपदेश "

मनुष्य जीवन का यह ऐसा सत्य और संस्कार है जो हर एक का जीवन यह सत्य और संस्कार से बंधा है।

सामान्य जन या मानव नही जान, समझ और पहचान सकता है

पर

हर मनुष्य के जीवन में " बाण शैया और उपदेश " अवश्य सत्य संस्कार बंधा ही है।

यह इतना गहरा और चिंतनीय आत्मीय समय है - जिसने पा लिया वह अपना जीवन योग्य बना लिया 🙏

मनुष्य जीवन यह काल इतना श्रेष्ठ और उत्तम होता है - जिससे वह सत्य, आत्मीय और आध्यात्मिक का ज्ञान ही प्रदान करते है - सिंचते है - शिक्षित करते है। यह इनका आखरी विद्या दान है 🙏

" भिष्म की बाण शैया "

" रावण की बाण शैया "

" कृष्ण की बाण शैया "

ऐसे अनगिनत जीवन योद्धायें है 🌷🙏🌷

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

तुम मेरे लिए सिंदूर भरो
तुम मेरे लिए झुल्फें बांधो
तुम मेरे लिए गजरा सजाओ
तुम मेरे लिए कजरा लगाओ
तुम मेरे लिए बिंदी सजाओ
तुम मेरे लिए नथनी पहनो
तुम मेरे लिए अधर रंगाओ
तुम मेरे लिए माला बंधाओ
तुम मेरे लिए मंगलसूत्र सजाओ
तुम मेरे लिए बाजूबंध बंधाओ
तुम मेरे लिए अंगूठी पहनो
तुम मेरे लिए चूडिय़ां खनखनाओ
तुम मेरे लिए कमरबंध बंधाओ
तुम मेरे लिए पायल बंधाओ
तुम मेरे लिए बिछियां पहनो
तुम मेरे लिए मेहंदी रंगाओ
तुम मेरे लिए घुंघटा खिंचो
तुम मेरे लिए आंचल संवारो
तुम मुझे अपना सबकुछ न्योछावर करदो
मैं केवल तुम्हें प्यार करुँ
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
प्रेम की रीत निराली
तुझे समर्पण तुझे शरण
🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷
हे गोपि! मुझे तु सदा अपने चरण में रखना
मेरी यही ही कक्षा है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

किस किसने किसे जगाया

समय समयने साथ निभाया

आतम आतमने अमृत पिलाया

संसार संसारको समतल बनाया

पृथ्वी धरा चक्र चलाया

सागर जल चक्र रचाया

आकाश अवकाश चक्र फैलाया

वायु तापमान चक्र उडाया

अग्नि शीतल चक्र घुमाया

है कोई कोई आत्मा

कोई कोई है महात्मा

है कोई कोई विश्वात्मा

कोई कोई है विधाता

है कोई कोई परमात्मा

हे जगत जीव!

हे जागृत जीव!

हे नवत्व जीव!

हे नूतन जीव!

हे आत्मीय जीव!

प्रणाम प्रणाम प्रणाम प्रणाम🙏

नमन नमन नमन नमन🙏

वंदन वंदन वंदन वंदन🙏

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

जीवन की हर सांस में वफा भर रहा हूं

नैन की हर द्रष्टि में पवित्रता निहालता हूं

मन के हर विचार में विशुद्धता सिंच रहा हूं

तन के हर क्रिया में नवत्व जगा रहा हूं

धन के हर उपयोग में सेवा समर्पणता हूं

उच्चारण के हर स्वर से विश्वास उभारता हूं

ज्ञान के हर अक्षर से न्याय प्रसारता हूं

राह के हर कदम में निडरता अडगता हूं

कर्म के हर सिद्धांत में धर्म आचरता हूं

संकल्प के हर लक्ष में योग्यता प्रदानता हूं

चरित्र के संस्कार में सत्यता प्रस्थापता हूं

हे संसार!

हे जगत!

तु चाहे कुछ भी करले मेरा आत्मा तो सदा सूरज ही उगायेगा 🌷🙏🌷

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

"नूतन वर्ष "

नूतन संकल्प से

नूतन निश्चय से

नूतन विश्वास से

नूतन अडगता से

नूतन निर्भयता से

नूतन निडरता से

नूतन सलामती से

नूतन प्रेम से

🌷🌷🌷🌷🌷🌷

नूतन वर्ष का नूतन सूरज

नूतन वर्ष का नूतन दिन

नूतन वर्ष का नूतन पुरुषार्थ

नूतन वर्ष का नूतन आनंद

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

मैं नूतन तुम नूतन

हम नूतन हर नूतन

संसार नूतन जगत नूतन

जीवन नूतन जनम नूतन

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

आप हर एक को नूतन वर्ष का अभिनंदन🙏

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" गुरु "

गहराई से समझे - गुरु कौन?

हमने कहीं उम्र बिताई - गुरु कौन?

हमने कहीं संदेश उपदेश प्रवचन सत्संग सुने - गुरु कौन?

हमने कहीं शिक्षा पाई - गुरु कौन?

हमने कहीं विद्या पाई - गुरु कौन?

हमने अपने आपको कुछ समझा - पहचाना - परखा अनुभवों से - गुरु कौन?

हमने कहीं मान्यता से स्वीकारा - गुरु कौन?

हमने कहीं श्रद्धा से अपनाया - गुरु कौन?

हमने सिद्धांत से समझा - गुरु कौन?

अत्यंत गहराई से चिंतन करके समझना - गुरु कौन?

शायद कुछ समझ आये - पहचान पाये - गुरु कौन?

मंत्र दिया - कंठी पहनाई - वह गुरु?

सोचो - ऐसे कंठी वाला और मंत्र वाला नाम दिया - वह गुरु है?

मेरे भाईओ - बहनो - अंधश्रद्धा से जीने से बहतर है अज्ञान में जीना।

मेरे मित्रो! मान्यता से या परंपरागत से जिसे गुरु समझते है - यह सत्य नही है।

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" गुरु "

कोई देह - शरीर या मन नही है।

गुरु एक ज्योत है

गुरु एक स्त्रोत है

गुरु एक स्पर्श है

गुरु एक चरित्र है

गुरु एक ज्ञान है

गुरु एक करुणा है

गुरु एक वात्सल्य है

गुरु एक संस्कृति है

गुरु एक मार्ग है

गुरु एक साक्षात्कार है

गुरु एक सिद्धि है

गुरु एक समर्पण है

गुरु एक योग्यता है

गुरु एक विश्वास है

गुरु एक श्रद्धा है

गुरु एक सुगंध है

गुरु एक तत्व है

मातापिता - देह नही एक ऐसा तत्व है जो सदा उद्धारक ही हो

आचार्य - देह नही एक ऐसा तत्व है जो सदा ज्ञानात्मक ही हो

संत - देह नही एक ऐसा तत्व है जो सदा सत्यात्मक ही हो

भक्त - देह नही एक ऐसा तत्व है जो सदा शरणागत ही हो

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

कृष्ण - किसे कहते है?

जो प्रिय हो

जो प्रेमी हो

जो नटखट हो

जो वीर हो

जो अलौकिक हो

जो निर्देशी हो

जो योग्य हो

जो दूरंदेशी हो

जो निस्संदेह हो

जो करुणानिधि हो

जो निश्चिंत हो

जो उद्धारक हो

जो निर्माणी हो

जो कृपालु हो

जो मधुर हो

जो वात्सल्यमयी हो

जो प्रकृतिमय हो

जो सृष्टिरचित हो

जो जगतनिय़ंता हो

जो जगद्गुरु हो

जो न्यायिक हो

जो निर्भयी हो

जो स्थिर हो

जो विशेष हो

जो सामाजिक हो

जो धर्मसंस्थापन हो

जो निर्गुणी हो

जो ब्रहमचारी हो

जो स्वयंसेवक हो

जो विवेकी हो

जो विधाता हो

जो निस्वार्थी हो

जो निरपेक्ष हो

जो सत्य हो

जो आनंद हो

जो विश्वसनीय हो

जो तत्व हो

जो गोपालक हो

जो सुंदर हो

जो मोहनिय हो

जो गोप हो

जो भक्त हो

जो पूर्ण हो

जो पुरुषोत्तम हो

ओहहह! मेरा जीवन के लिए मैं क्या हो सकता हूं 🙏

अगर यह सर्व यही जगत, यही धरती, यही जन्म, यही लोक में पुरुषार्थ से पुरुषोत्तम होने को मिले - इससे अच्छा तो कोई ब्रह्मांड है?

ओहहह! " कृष्ण " तु क्या हो गया 🙏 जो तुझे जो जो परिस्थिति मिली और तुने क्या क्या कर दिया - मुझे जो जो परिस्थिति मिली - तो मैं क्या हो गया! 🙏

उत्म प्रयत्न करते रहो - अवश्य परिवर्तन आयेगा ही 🌷🙏🌷

कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण कृष्ण

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" कृष्ण वयं नमः "

हमारे वेद संस्कृति के प्रणेता कहे - कृष्ण वयं नम:

हमारे तपस्वी अपने आपको तपाते कहे - कृष्ण वयं नमः

हमारे ऋषिमुनियों अपनी श्रुति और रुचा संस्करणते कहे - कृष्ण वयं नमः

हमारे आचार्य अपनी आध्यात्मिकता साक्षर करते कहे - कृष्ण वयं नमः

हमारे गुरु अपने ज्ञान अध्ययनसे कहे - कृष्ण वयं नमः

हमारे संत अपनी सत्यता प्रगाढते कहे - कृष्ण वयं नमः

हमारे भक्त अपनी समर्पण ज्ञानभावसे कहे - कृष्ण वयं नमः

कृष्ण वयं नमः 🌷🙏🌷

कृष्ण चरित्र - चारित्र्य - चरमता ही ऐसी निधि गतिविधि और योग्यता है जो हमें जीवन का सही मार्गदर्शन मिले 🙏

अंश की हर चेतना को अगाध प्रेम की पूर्णता मिले इसलिए

" कृष्ण वयं नमः "

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" कठपुतली "

कौन संग बांधि - किसीके लिए?

कौन है कठपुतली?

हे जीव - जीवन - आत्मा - परमात्मा!

सोचना सोचना सोचना सोचना 🙏

संसार - पृथ्वी - जगत

सोचना सोचना सोचना सोचना 🙏

संस्कार से सोचना

संस्कृति से सोचना

धर्म से सोचना

प्रीत से सोचना

स्वयं से सोचना

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" राम "

हम सब यह नाम से अनोखा स्पर्शिय है

राम - तो हमारा आत्मा - हमारी धरोहर - हमारा प्राण

राम - हमारा अस्तित्व - हमारा धर्म - हमारी साक्षरता

राम - हमारा ज्ञान - विज्ञान - प्रज्ञान - संज्ञान

राम - हमारा ध्यान - हमारा वचन - हमारा सनातन - हमारा सन्मान

राम - हमारा गौरव - हमारा सौरव - हमारा निरव

राम - हमारा ध्याता - हमारा भाता - हमारा नाता

राम - नही बिन कोई हमारा - नही बिन कोई नजारा

राम - खेवैया - जपैया - रमैया - बसैया - भजैया

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

सागर की उछलती लहरें किसीको ढूंढती है

चंद्र की धवल चांदनी किसीको ढूंढती है

धरती की उडती रज किसीको ढूंढती है

सूरज की सुनहरी किरणें किसीको ढूंढती है

हवा के मंद मंद झोंके किसीको ढूंढते है

फूलों की बिखरती महक किसीको ढूंढती है

नैन से दौडती नजर किसीको ढूंढती है

सांस की बहती उच्छवासे किसीको ढूंढती है

प्रेम की अलौकिक उर्मियाँ किसीको ढूंढती है

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

प्रिये

प्रियतम

केवल प्रेम ....🌷

राधा🌷 कान्हा 🌷 श्याम 🌷श्यामा 🌷

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

आचार्यों से विनंती 🌷🙏🌷

गुरुदेवो से प्रार्थना 🌷🙏🌷

तत्वज्ञानी से याचना 🌷🙏🌷

संतो से अभ्यर्थना 🌷🙏🌷

भक्तों से विनम्रता 🌷🙏🌷

गोपिजनो से प्रेमार्थना 🌷🙏🌷

जिज्ञासा प्रश्न है 🌷🙏🌷

अगर श्री प्रभु हमें मिल जाय तो

हम क्या हो सकते है?

अवश्य चिंतनीय समझ प्रदान करना

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

भगवान मिल जाये तो हम क्या हो सकते है?

सत्य है - भगवान हमें हर घडी, हर क्षण, हर पल मिलते है 🙏

जो सच्चिदानंद है वह - सदा सदा साथ रहते है 🙏

निर्विवाद है - भगवान हमें सदा मिलते है - सहज मिलते है - सरल मिलते है 🙏

नैन में है - मन में है - अंग में है - सांस में है - उच्छवास में है - अधर पर है - जिह्वा पर है - गंध में है - सुगंध में है - स्वर में है - अक्षर में है - कर्ण पर है - हर इन्द्रियों में है - हर क्रिया में है -

हर व्यवहार में है - हर हर में है - हर शेष में है - हर विशेष में है - हर रज में है - हर बूंद में है - हर वायु में है - हर अवकाश में है - हम में है - स्व में है 🙏

ओहहह! तो भी हम ढूंढते है? और हमें मिलते नही - पहचानते नही? ढूंढते ढूंढते रहते है - जन्मों तक - हाँ।🙏

हमने कभी हमको जाना नही - समझा नही - पहचाना नही 🙏

जो सत्य है - वह भगवान है 🙏

हम सत्य है

सूरज सत्य है

धरती सत्य है

वायु सत्य है

आकाश सत्य है

जल सत्य है

जो हम सदा साथ रहते है - भगवान है 🙏

जो शिस्त है - भगवान है

जो संस्कार है - भगवान है

जो सिद्धांत है - भगवान है

जो फल है - भगवान है

जो प्रेम है - भगवान है

जो अवैध है - भगवान है

जो निरपेक्ष है - भगवान है

जो निरोगी है - भगवान है

जो योग है - भगवान है

जो स्थिर है - भगवान है

जो भक्त है - भगवान है

जो ज्ञान है - भगवान है

जो न्यास है - भगवान है

मान्यता - श्रद्धा - भगवान को समझने का एक निर्देश है - उसे सत्य सिद्धांत आधारित समझते जाये तो भगवान मिलने का अवश्य साधन अपना सकते है पर भगवान मिलने का प्राद्यापन नही सिद्ध कर सकते है 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

आगे कल.......

" कन्या "

हमारी संस्कृति में यह शब्द बहोत ही अनोखा है 🙏

" कन्या " याने कौन?

" कन्या " एक अनोखा मनुष्य देह है

" कन्या " एक अलौकिक पवित्र मन है

" कन्या " एक अदभुत विशुद्ध देह है

" कन्या " एक श्रेष्ठ पूजनीय देह है

" कन्या " एक उत्तम इश्वरीय देह है

जो देह जिसके साथ हो और उन्हें वंदनीय, पूजनीय, एश्वर्यीय, संस्कारिय से पहचाने 🙏

वह कभी दु:खी नही होता

वह कभी कंगाल नही होता

वह कभी दुष्ट नही होता

वह कभी पापी नही होता

वह कभी दुराचार नही होता

" कन्या " तो हर मनुष्य जीवन का सर्वोत्तम कक्षा है - उम्र है - काल है 🙏

कोई भी युग हो " कन्या " का संरक्षण किया - उनका युग में न कलियुग आता है। 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" तनुनवत्व "

श्री वल्लभाचार्य का अदभुत और अनोखा सिद्धांत - मंत्र और सिद्धि है 🙏

तनुनवत्व

श्री वल्लभाचार्य रचित " अथ: श्री यमुनाष्टकम् " में कहा है

तनुनवत्वमेतावता

यह " तनुनवत्वमेतावता " क्या है?

श्री वल्लभाचार्य हमें अपने चरित्र और पुरुषार्थ से क्या कहना चाहते है?

पाठ करते है पर साध्य - साहृद्य समझना अति आवश्यक है 🙏

हमने कहीं व्यक्तिओं को कहते सुना है

" यमुनाष्टक " का पाठ करना कहीं कष्ट निवारण हो जायेंगे 🙏

नहीं नहीं - मान्यता और अंधविश्वास से दूर रहना है 🙏 सही ही समझ कर स्वीकार करना है और अपनाना है 🙏

" तनुनवत्व " मूलभूत सिद्धांत है

जिसने तनुनवत्व पाया वह श्री वल्लभ का है 🙏

क्यूंकि पुष्टिमार्ग संप्रदाय में अगर किसीने " तनुनवत्व " पाया है वह केवल श्री वल्लभाचार्य ही है 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

"रंग महल के दस दरवाजे

न जाने कौनसी खिडकी खुली थी

सैया निकस गये मैं ना लडी थी "

कौन है रंग महल?

प्रेम की यह ऐसी पराकाष्ठा है

जो बार बार निष्ठा में रहने पर भी फिसल जाती है

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

कहां जाये

जाये कहां

हाँ! वहीं जाये

जहां ले चले

हमारे कर्म

हमारी मति

हमारी वृत्ति

हमारी प्रकृति

हम अकेले

अकेले अकेले

हाँ! केवल हम ही जाने

छूटे कहीं बंधने

जाये जाये

कैसे आये

चक्र ऐसा

जन्म ऐसा

जीवन ऐसा

जगत ऐसा

राम राम

राम राम

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" मफत पैसा "

किसको चाहिए?

अपने आप को पूछलो।

नही नही मुझे नही चाहिए 🙏

हर कोई यही कहता है

तो भी सोचलो

मफत पैसा किसको चाहिए?

हम हमारी काबेलियत के लेते है

हम हमारी महनत से कमाते है

हम हमारी तर्क से पाते है

हम हमारी आवडत के लेते है

हम हमारे investment से कमाते है

अवश्य 🙏

एकांत में सोचना -

काबेलियत -

पैसा और काबेलियत का कोई संबंध है?

महनत -

जो महनत किया उसकी कितनी आमदनी हम पायेंगे? यह हमारी कार्य शैली से समझ पायेंगे

तर्क -

हमारी सलाह सूचन से यह कमाया

सलाह - सूचन में हम कितने खरें है, अपने आपसे ही पूछो?

आवडत -

हमें बहोत कुछ समझ है - हमने हमारा बहोत दिमाग लगाया है - तो हम निपुण है

निपुणता पैसा में परिणामती करना हमारा गुण है?

Investment -

हमने हमारा सर्वस्व इनमें रखा है - जिससे अनेकों का उपयोग और अपनी काबेलियत से अपना निर्वाह कर सके - यही शैली से सबका भला मेरा भला

अच्छा!

कैसे नीतिनियम है?

स्व हमारा - हर हर हमारा

सोच में - मुफत पैसा

क्रिया में - मुफत पैसा

बहोत सोच और समझे

हमने हमारा जीवन, हमारा कुटुंब, हमारा समाज, हमारी अर्थोपार्जन क्रियाएं, हमारा धर्म क्या कर दिया 🙏

मुफ्त पैसा न मेरा होता है न तेरा

मुफ्त पैसा सबकुछ अंधेरा

मुफ्त पैसा हर पल मारा मारा

मुफ्त पैसा जन्म जीवन दुबारा

🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" विज्ञान "

विज्ञान का दो अर्थ है

१. विशेष ज्ञान

२. विज्ञान का अर्थ है science

यह जो दोनों अर्थ सटीक और सैद्धांतिक मूल्यों से, अनुभवों से और धर्म के नियमन अनुसार किये है।

हम जो मानव जो उत्क्रांतवाद के सिद्धांतों से समझे तो विज्ञान का अर्थ कहीं प्रकारों से मिश्रण और परिवर्तन के सिद्धांतों से है, जो शिक्षण और नये नये भौतिकीकरण से गति करता है।

जैसे - डारविन वाद

डारविन वाद से पाया हुआ शिक्षण और जीवन हमें अवश्य भौतिकयुग से ही जोडता रहता है।

जो जो भी विज्ञान के विद्यार्थी है वह यही ही सैद्धांतिक धारा से अपना जीवन जीता है और यही ही विचारधाराओं से वह समाज और सामाजिकता की रचना करते है।

पश्चिमी देश यही धाराओं का समाज है।

हाँ! पर यही ही धाराओं में कहीं धर्म सिद्धांत आधारित परिवर्तनों के अंकुर फूटे है।

इसलिए वह समाज भौतिक अचूक है पर साथ साथ धर्म नियमनों से भी बंधे है।

यही ही मूलभूतता ही उन्हें सर्वश्रेष्ठ और शिस्त समाज में निरुपण करते है।

यह मनुष्य जीवन की योग्य गहनशिक्षा है।

कहीं मानव समाज यह सिद्धांतों से दूर है या नासमझ है वह निम्न, अज्ञानी, असूरी सत्ता में जीते रहते है। 🙏

🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏

मेरी आपसे विनंती है 🙏

यह ज्ञानपिपासा में अवश्य डूबकी लगाना और सोचना और कहना 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" गंगा क्या कहे

जो मेरे तट पर वही ही आये

जो जीवन वचन निभाये

की सदा पवित्र रहूंगा "

हे भारतीय संस्कृति!

हे हिन्दु संस्कार!

तुझे नमन हो 🙏

तुझे प्रणाम हो 🙏

तुझे वंदन हो 🙏

तुझे दंडवत हो 🙏

हम पंच महातत्वों के जीव

जिन्हें सदा पवित्र करने का साधन और सामर्थ्य प्रदान हो - ऐसी हो हमारी सरिता 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" राम "

ऐसा चरित्र जो सदा गंगा की तरह बहा

" राम "

ऐसा जीवन जो सदा हिमालय की तरह अडग

" राम "

ऐसा संबंध जो सदा रामसेतु की तरह जुडा

" राम "

ऐसा योद्धा जो सदा संस्कृति की तरह निडर

" राम "

ऐसा पुत्र जो सदा हिंदु संस्कार की तरह वंदन

" राम "

ऐसा वनवास जो सदा सेवक की तरह मिलन

हे राम!

शत् शत् प्रणाम 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

हे हिन्दुस्थानी!

हे भारतीय!

तेरी धरोहर तेरी संस्कृति

तेरे संंस्कार तेरा ही धर्म

लिए फिरु मैं चौराहे गली

तेरी दीवानी तेरी ही प्रियतम

भूलाने वाले हे हिन्दुस्थानी

याद करलें सर कफन वीर

उठाले खुदको करदे विशुद्ध

तेरी ये माता बहन सुरक्षे अधर्म

" भारतीय नारी " 🌷🙏🌷

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

सूनी जो उनकी पायल की आहट

यह दिल धडका मन से मन मिलने

सूनी जो उनकी सांसों की सरगम

यह आत्म प्रजवल्ला सांस से सांस जुडने

हे मेरा प्यार! तुझे क्या कहूं! 🌷

हे राधा! तु मुझसे कितनी निकट है

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

चलता गया चलता गया

कहां तक चलता गया

नही पता नही खता नही गता

जहां ठहरा अभी भी चलना

न ठहराव न रुकाव न जगाव

चलता गया चलता गया

कहीं ठहरा कहीं जाना कहीं पूछा

जानना ऐसा जानना यही भी जानना

जान जान जान जान

जितना जाना अधूरा जाना अति जानना

जान जान कर जो समाना और समाना

गठरी बांध बांध और समाना

समय बिता जानना न बिता

स्थली न बिती समझ न बिती

लगाव न मिटा जानना न मिटा

उम्र बही मन न मिटा

देह मिटा जानना न मिटा

कैसी मेरी जान कैसी मेरी समझ

बस चलता गया चलता गया

अभी भी चलता रहना चलता रहना

देह बदले रुप बदले

समय यही काल यही मन यही

जान जान जान जान

चल चल चल चल

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

सुनी जो जीवन में कोई भी आहट

हमने हमारा नैन को संवारा ऐसे

जैसे आहट मुस्कुरा उठी

हमने हमारा मन को सजाया ऐसे

जैसे आहट झुमने लगी

हमने हमारा तन को शृंगारा ऐसे

जैसे आहट मचल उठी

हमने हमारा धन को लुटाया ऐसे

जैसे आहट बिखर लगी

हमने हमारा जीवन जगाया ऐसे

जैसे आहट झुक गई

हे जीवधारी! तु ही एक ऐसा योद्‍धा है

जो मुझे वंदनीय बना दिया

हे पुरुषार्थी! तु ही एक ऐसा पुरुषोत्तम है

जो मुझे पूजनीय बना दिया

सच! तु ही श्रेष्ठ परमेश्वर है

तुझे प्रणाम 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" गंगा "

क्या गाती है?

क्या कहती है?

क्या जगाती है?

हमारी संस्कृति की धारा

गाती है - कहती है - जगाती है

मेरे बूंद को वोही छूए

मेरी धारा को वोही छूए

मेरे बहाव को वो ही छूए

मेरी बौछारों को वोही छूए

मेरे तट को वोही छूए

मेरी रज को वोही छूए

मेरे संगम को वोही छूए

मेरी तरंगों को वोही छूए

मेरे स्पंदनों को वोही छूए

मेरी लहरों को वोही छूए

जो सदा वचन निभाये

जो सदा कथन निभाये

जो सदा प्रण निभाये

जो सदा ऋण निभाये

जो सदा बंधन निभाये

जो सदा संबंध निभाये

जो सदा प्रेम निभाये

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

गुन गुन यह सांस गुनगुनाती है

आयेंगे श्री वल्लभ द्‌वार हमारे

डग डग यह कदम करें परिक्रमा

चलेंगे श्री गोवर्धन साथ हमारे

बूंद बूंद यह नैना बरस रहे है

संगे श्री यमुना धारा बहेगी हमारे

पुष्टि प्रभु ब्रह्म संबंध बंधाये

पधारेंगे श्री नाथ आंगन हमारे

हे वल्लभ! पधारो हमारे द्‌वार

हे वल्लभ! सिधारो हमारे मार्ग

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

श्याम हे श्याम!

हे सखी कौन गली गये श्याम?

कैसी थी मैं जो कहीं ओर खडी थी

नैन चुराकर कहीं छूप गये

श्याम हे श्याम!

मन तडपत तडपे

तन थर थर थथडे

चित्त चुराकर कहीं लपक गये

श्याम हे श्याम!

मेरी प्यासी प्रीत सांवरिया

तुम बिन कैसे रहूं बावरिया

दिल चुराकर कहीं बिछड गये

श्याम हे श्याम!

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

भोर भयो पायो दर्शन श्री नाथ

मधुर मुख मलकायो उंचो करे हाथ

आओ मेरे वल्लभ आओ मेरी यमुना

नित नित करे सेवा नित नित करे शृंगार

मेरे भक्त मेरे वैष्णव दौड दौड आवे

पुकारे श्री नाथ गाये षोडश पाठ

दिन दिन टेक बांधे परब्रह्म से आत्म सांधे

आओ मेरे वल्लभ आओ मेरी यमुना

नाथद्वारा से करु साद सुनाऊं बंसी नाद

अष्टसखा सुनाये कीर्तन वैष्णव करे मनोरथ

दूर दूर से आये दर्शन काज दंडवत प्रणाम करे हाथ

विनंती करे हे नाथ! न कदी बिसरे साथ

आओ मेरे वल्लभ आओ मेरी यमुना

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

ज्योत प्रकट भयी वल्लभ पुष्टि

मन अपनाये पुष्टिमार्ग द्रष्टि

तन सेवायें दासत्व सृष्टि

धन लुटाये पुष्टि रचना वृष्टि

जीवन घडाये सार्थक तृष्टि

जन्म निरुपाये जागतिक यष्टि

हे वल्लभ! कहीं सेवकों से पुष्टि उर्मि पायी

आप पुष्टि प्रवर्तक ने पुष्टि ज्योत प्रक्टायी

संकल्प करें हम आज दिन हे पुष्टि प्रणेता

सिंचन करना हमारे पुष्टि संकल्प बल का

हमारा विचार हमारा आचार हमारा व्यवहार

सदा पुष्टिमय हो पुष्टि दासत्व हो पुष्टि द्रष्टा हो

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

हे यमुनाजी!

आपको नमन 🙏

बूंद बूंद से सिंचे हमें

रज रज से संस्कारे हमें

रेणु रेणु से शिक्षे हमें

🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏

हे धात्री!

तु मेरी मैया

तु हमें ब्रह्मे

तु हमें विशाले

तु हमे पकडे

तु हमें स्वीकारे

हे माँ!

तनुनवत्व का पय पान करावे

पुष्टि सिद्धि का बल प्रदाने

ऐसा अनोखा जीव रुपांतरे

जो परब्रह्म प्रेमबंधन से स्वीकारे

पुष्टि पण की जनेता

पुष्टि वर्धन की प्रणेता

जन्म जीवन.उजाले

हाँ मैया! विशुद्ध मन बसाये

अधम ओधारण

धर्म आचरण

भवसागर पार करवाये

श्री वल्लभ के पुष्टिवर्धन जीव को

परमप्रिये से जुडाये

हे मैया!

मेरी विनंती मेरी याचना

जरा जरा से मुरारी पद पंकज शरण धरना

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" आत्म विश्वास "

आत्म विश्वास का मूल है आत्मीय अनुभूति

आत्म विश्वास जागना

आत्म विश्वास पाना

अनोखी सत्यानुभूति सिद्धि है 🙏

यह अनुभूति इससे ही होती है जिससे स्व में श्रद्धा हो विश्वास हो।

हम सांस लेते है - हम उच्छवास बाहर निकालते है

कभी ऐसा विचार आया है - जो सांस मैं ले रहा हूं वह कितना बुलंद है - शुद्ध है - पवित्र है - योग्य है?

ऐसे ही जो उच्छवास हम निकाल रहे है वह भी कितना बुलंद है - शुद्ध है - पवित्र है - योग्य है?

योग करते है 🙏 समझ जाना

जो सांस को पहचाने वह उच्छवास को पहचाने

और

जो ऐसे आगमन और ऊर्धवागमन को पहचाने वह हर आत्मा से संपर्क कर सकता है - सर्वोच्च सर्वोत्तम परिवर्तन कर सकता है - क्यूंकि उनका आत्मविश्वास बुलंद है - शुद्ध है - परिवर्तनशील है 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

कोई प्रार्थना सुनता हूं

कोई श्लोक सुनता हूं

कोई मंत्र सुनता हूं

कोई अष्टक सुनता हूं

कोई कथा सुनता हूं

कोई काव्य सुनता हूं

जो रचना जिस मनने रची है, वह मन कैसा होगा?

हाँ! हम मनुष्य कितने सर्वश्रेष्ठ है जो सदा अमृत ही उत्कर्ष कर सकते है 🙏

हाँ! हम मनुष्य कितने सर्वोच्च है जो सदा समृद्धि ही ला सकते है 🙏

हाँ! हम मनुष्य कितने सर्वोत्तम है जो सदा परमोत्तम ही कर सकते है 🙏

हम जी रह है यही ही पंच महातत्वों में है जो हममें भरपूर भरे है 🙏

हम सदा माधुर्य ही रच सकते है

हे अदभुत मनुष्य! सच तेरी लीला अपरंपार है 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

मेरा जीवन कितना अदभुत है

मुझसे पहले मेरे लिए प्रखर वेदज्ञ सिद्धांत शिरोमणि श्री आचार्य वल्लभ पधारे 🙏

मेरा जीवन कितना अलौकिक है

मुझसे पहले मेरे लिए धात्री श्री यमुनाजी पधारे 🙏

मेरा जीवन कितना मधुर है

मुझसे पहले मेरे लिए परम माधुर्य स्वरुप श्री कृष्ण पधारे 🙏

मेरा जीवन कितना आनंदित है

मुझसे पहले मेरे लिए अखंडानंद प्राकट्य स्वरुप परब्रह्म पधारे 🙏

मेरा जीवन कितना सुखमय है

मुझसे पहले मेरे लिए प्रकृति चारों ओर पधारी

मेरा जीवन कितना व्यवस्थित है

मुझसे पहले मेरे लिए मेरी सुरक्षा के लिए पंच महाभूतों प्रस्थापित है

कितना अनोखा जीवन 🌷

लुटाओ अपने आपको

शृंगारो अपने आपको

नचाओ अपने आपको

महकाओ अपने आपको

आनंदो अपने आपको

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" पुष्टि " रचे अदभुत सृष्टि

जो अपनाये वह पाये अदभुत संपत्ति

खर्च करे उतनी बढे

खर्च न करे तो भी रहे सलामती

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

ऐसी मोरी उमरिया

सदा तुमसे मिलैया

ऐसी मोरी दीवानगी

जुडे तेरी निशानी

डर लागे मोहें ऐसा

तुम बिन न हो रखवाला

लंबा सफर है जीवन

तु ही हो मेरा दिलवाला

मैं हूं गोरी गोरी

तु है श्याम सलौना

हाथ तेरा थाम कर

हो जाऊं तोरी कहानी

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

कदम चले इखलाके

ख्यालों में डोले बलखाके

डूबा हूं तेरे प्यार में इतना

जैसे नदी दौडे विरह चुर

राधा! राधा! मन गाये

सुरा सुरा तन नाचे

दिल तेरा ऐसा दीवाना

जैसे बादल बरसे सूररर

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

है कैसी प्यार की रवानी

जित देखुं तुझ तुझ पाऊं

कभी श्याम हो जाये

कभी गोविंद हो जाये

कभी प्रिये हो जाये

कभी प्रेयस हो जाये

मैं राधा! मैं गोपि!

तु ही तु सबकुछ

मैं तो रहूं केवल तेरी दीवानी

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

आपको प्रणाम 🙏

जित देखुं तीत वल्लभ - विठ्ठल 🙏

आपने आपकी हर इन्द्रियों को पुष्टि रस से जो सिंचन किया है वह अदभुत है।

वैष्णव में वल्लभ

वैष्णव में विठ्ठल

नैन को पुष्टि कर दिया दर्शन के माध्यम से 🙏

कर्ण को पुष्टि कर दिया षोडश ग्रंथ से 🙏

अधर को पुष्टि कर दिया कीर्तन से🙏

नासिका को पुष्टि कर दिया प्रसाद से🙏

हृदय को पुष्टि कर दिया आत्म पधरामणी से 🙏

हस्त को पुष्टि कर दिया सेवा से 🙏

पैर को पुष्टि कर दिया पुष्टिधाम यात्रा से🙏

आत्म को पुष्टि कर दिया ब्रह्मसंबंध से 🙏

मन को पुष्टि कर दिया अष्टसखा चरित्रों से 🙏

तन को पुष्टि कर दिया तनुनवत्व से 🙏

धन्य हो 🌷

जित देखुं वल्लभ वल्लभ वल्लभ 🌷

जित निहालु विठ्ठल विठ्ठल विठ्ठल

तीत पाऊं पुष्टि सेवा सेवा सेवा

🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

मेरे कौन?

मेरा मैं

मेरा तु

और न मेरा कोई

क्यूँ?

चाहे जमाना देखलो

चाहे ठिकाना रखलो

चाहे दुनिया बसालो

चाहे कहानियां सुनलो

मैं ही मेरा न और कोई तेरा

तु मेरा तो हर कोई मेरा

हर हर में तु

तुझ तुझसे मैं तुझमें

कैसी है यह रीतियां

यही है जीवन की परछाईयाँ

प्रेम प्रेम से जी ले जीया

करले कान्हा को पिया

मैं तुझमें तु मुझमें

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" माता का दिन "

हम समझते है की हमारी संस्कृति में यह संस्कार तो प्राथमिकता से है जबसे हमने जन्म लिया तबसे अंत तक 🙏

हाँ! अवश्य और हम हमारी संस्कृति की हर नारी - स्त्री को यही नजर और द्रष्टि से समाते है 🙏

हमारी माता - हर एक के लिए माता

हमारी बहन - हर एक के लिए बहन

हमारी पत्नी - हर एक के लिए भाभी

हमारी पुत्री - हर एक के लिए पुत्री

हमारी बहू - हर एक के लिए दीकरी

कितनी श्रेष्ठ और अलौकिक संस्कृति है हमारी

हमारी धरोहर को हम जो सदा शुद्ध और पवित्र रखें 🙏

तो हमें मोक्ष के लिए गंगा के पास नही जाना पडे

तो हमें गोलोक के लिए यमुना के पास नही जाना पडे

हमारी धरोहर हमारी भक्ति

हमारी धरोहर हमारी ज्ञानी

हमारी धरोहर हमारी शक्ति

जिसे लिए फिरें घडी घडी

न कोई कष्ट न कोई रोग

सदा रहें हम आनंद ही आनंद

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

पायल बांधते थिरकती सांस

बह रही है विरह प्यास

चिपकता रहूं इन प्रेम धारा

करदे मुझे कान्हा से राधा

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

निली पीली रंगबिरंगी

है मेरे प्यार की चुनर

बांध ली तुम्हें ऐसी कस के

लपक लिपट बंधों प्यार सहारे

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

नाम उनका धडकन में धडके

नाम उनका अधर पर फरके

नाम उनका सांसो में बसे

लिख कर शायद मिट जाये

पर मेरा प्यार कभी न मिटे

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

तेरी पायलियाँ मेरे धडकन की सरगम है

तेरी चुडियां मेरे अंग की हस्ति है

तेरी बिंदिया मेरे प्रेम की कस्ति है

तेरी मांग मेरे प्रीत पथ की डोर है

तेरी चुनरी मेरे पवित्र बंधन का आँचल है

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

हे राधा!

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

हर सांस सांस का हिसाब होता है

हर स्वर स्वर का हिसाब होता है

हर नजर नजर का हिसाब होता है

हर कदम कदम का हिसाब होता है

हर वचन वचन का हिसाब होता है

हर कथन कथन का हिसाब होता है

हर रंग रंग का हिसाब होता है

हर भाव भाव का हिसाब होता है

हर राग राग का हिसाब होता है

हर अक्षर अक्षर का हिसाब होता है

हर विचार विचार का हिसाब होता है

हर व्यवहार व्यवहार का हिसाब होता है

हर क्रिया क्रिया का हिसाब होता है

हर कर्म कर्म का हिसाब होता है

हर अंग अंग का हिसाब होता है

हर स्पर्श स्पर्श का हिसाब होता है

हर संग संग का हिसाब होता है

हर व्यंग व्यंग का हिसाब होता है

हर बूंद बूंद का हिसाब होता है

हर रज रज का हिसाब होता है

हर एहसास एहसास का हिसाब होता है

हर रिश्ता रिश्ता का हिसाब होता है

हे प्रभु!

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

मन शांत जीवन शांत

नैन रंगीन जीवन संगीन

जो कान्हा के रंग में ढली

वो सदा स्वयं कमल कली

नित नित खेले प्रेम अटखेलियाँ

कान्हा जगाये विशुद्ध पहेलियाँ

तेरा कान्हा तुझमें बसा

कौन चाहे कितना डसे

कौन चाहे कितना हैराने

कभी न बिछडे तेरा प्रितम प्यारा

कभी न छोडे वह आत्म तेरा

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण "

एक छत

एक कुटुंब

एक संग

एक साथी

एक जीवन

एक लक्ष

एक पृथ्वी

एक आकाश

एक सूरज

एक चंद्र

प्रेम प्रेम प्रेम

एक पिया

तो भी

हम अधूरे

क्यूँ?

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

दूर दूर है

बहोत दूर है

कहीं जन्मों से दूर

कहीं कालों से दूर

जिस जिस को जहां मिला

वहीं वहीं हम कदम चला

वृंदावन चला गोकुल चला

यमुना चला जगन्नाथ चला

लीला लीला हर स्थल चला

हमने पाया मां के आंचल में

हमने पाया पिता के संचालन में

हमने पाया अर्धांगिनी के सतीत्व में

हमने पाया भाई के समर्पण में

हमने पाया बहन के रक्षाधागा में

हमने पाया बेटी के व्हाल में

हमने पाया बेटा का साथ में

हमने पाया प्रिय के प्रेम में

हमने पाया स्व की पहचान में

धन्यवाद! धन्यवाद!

धन्यवाद! हे मनुष्य योनि

जो किया सत सत ज्ञान

जो पाया परब्रहम ब्रहमांड

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

जीवन की अलौकिक असर प्रेम है

जो समझ पाये वह श्री प्रभु के है

जो स्पर्श पाये वह श्री प्रभु के निकट है

जो डूब पाये वह श्री प्रभु के भक्त है

जो एक हो पाये वह श्री प्रभु के प्रिये है

जो तरस पाये वह श्री प्रभु के चरणामृत है

जो तडप पाये वह श्री प्रभु के प्रेमी है

जो श्री प्रभु को नचाये वह श्री गोपि है

जो श्री प्रभु को बांधे वह श्री किंकरी है

जो श्री प्रभु को बिदाये वह श्री सखी है

जो श्री प्रभु को रंगाये वह श्री परकिया है

जो श्री प्रभु को बिछडाये वह श्री स्वकीया है

जो श्री प्रभु को धडकाये वह श्री प्रियतमा है

🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

बैन वही उनको गुन गाइ

सौं,

कान वही उन बैन सो सानी

हाथ वही उन गात सरै

पांव वही उन डग समरे

जान वही उन प्रान के संग

मान वही जु करे सन्मानी

नैन वही उनको दरश साइ

मन वही उन जीवन समाई

🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷

अदभुत! हे रसखानजी 🌷🙏🌷

हमारा जन्म कितना अनोखा है

"बैन वही जो उनको गुन गाइ"

मेरे मुखसे उठे हर कोई बैन केवल - कान्हा

"कान वही उन बैन सो सानी"

मेरे कान केवल एक स्मरण सुने - कान्हा!

"हाथ वही उन गात सरै"

हाथ वही जो उनकी सेवा के लिए सरे - प्रसरे - पसारे केवल.कान्हा

"पांव वही उन डग समरे"

हर डग में केवल कान्हा स्मरे

"जान वही उन प्रान के संग"

मेरी जो जान है वह केवल कान्हा के संग जुडे

"मान वही जो करे सन्मानी"

जो मैं मान पाऊं उनमें मैं करुं उनकी सन्मानी - कान्हा🙏

"नैन वही उनको दरश साइ"

मेरे जो नैन है उनमें केवल उनको ही समाऊं - कान्हा

"मन वही उन जीवन समाई"

मेरे मन में उन्हें ऐसा समाऊं जो मेरा जीवन केवल उनमें ही समायें - कान्हा

अदभुत! रसखानजी अदभुत! 🌷🙏🌷

नमन 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

महोब्बत के रिश्ते
ख्यालों के रिश्ते
नैनों के रिश्ते
बातों के रिश्ते
अक्षरों के रिश्ते
अनबन के रिश्ते
छूपा के रिश्ते
अधूरप के रिश्ते
अकेले के रिश्ते
आंखमिचौली के रिश्ते
मन के रिश्ते
तन के रिश्ते
जनम के रिश्ते
जीवन के रिश्ते
उम्र के रिश्ते
यादों के रिश्ते
प्यार के रिश्ते
दिल के रिश्ते
बदलते रिश्ते
🌷🙏🌷🙏🌷🙏🌷
रिश्ते कभी तुटे नही
रिश्ते कभी मिटे नही
रिश्ते कभी छूटे नही
रिश्ते कभी बिछडे नही
रिश्ते कभी बिखरे नही
रिश्ते सदा रिश्ते ही है
जो बांध दिया वह बांध गया
आखिर तक वह बंध गया
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
रिश्ता केवल प्रेम से ही है
जिसका सिंचन निस्संदेह से ही है
🌷🌷🌷🌷🌷🌷🌷
" Vibrant Pushti "
" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

हिन्दु संस्कृति का आध्यात्मिक

रज रज में हम श्री प्रभु देखते है

बूंद बूंद में हम श्री प्रभु देखते है

हर गर्भ स्थली देखें

हमारी आस्था हमारा विश्वास हमारा आध्यात्मिक पाते है

जिससे हम पाते है पवित्रता, विशुद्धता और सत्यता

जो हमारे ऋषिमुनियों ने सिद्ध किया है

जगत का कोई भी अधर्मी या आक्रमण कितनी भी अवहेलना करें, धृष्टता करे, नष्ट करे, विध्वंस करे पर हमारे गर्भ गृह की हर रज ईश्वर हो जाती है, हर बूंद गंगा हो जाती है।

कितना अनोखा सिद्धांत है

जो रज रज में शिव

जो बूंद बूंद में सरस्वती

काशी हमारी संस्कृति की धरोहर है

आज वह हर रज से हमें सिद्ध करती है

यहां ही शिव है

यहां ही संस्कृति की गंगा है

यहा ही आचार्य शंकर है

यहा ही शिष्य हिन्दुस्थानी है

जो संस्कार शिक्षा पाते पाते

अपने जीव को शिव में एकात्म करती है

अदभुत! सर्वोच्च! अलौकिक!

आज हमें यही ज्ञानवापी स्थली ने सिद्ध कर दिया

हे हिन्दु! तुम धन्य हो

मैं परब्रह्म होते होते भी मुझे बार बार आपकी धरती पर जन्म धरना होता है🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" पुष्टि मार्ग "
पुष्टि से हम खुद पुष्ट हो जाय
मार्ग से हम खुद मृगत अर्थात
कदम कदम पर अडग विश्वास और सिद्धांत से जीवन सिंचाई
तो मन पुष्टि
तो मनन पुष्टि
तो नैन पुष्टि
तो नयन पुष्टि
तो तन पुष्टि
तो वदन पुष्टि
तो धन पुष्टि
तो धरण पुष्टि
तो वरण पुष्टि
तो शरण पुष्टि
तो चरण पुष्टि
तो करण पुष्टि
तो नमन पुष्टि
तो वंदन पुष्टि
तो जीवन पुष्टि
मृगत मृगत हम श्री वल्लभ पाये
वृतत वृतत हम श्री वैष्णवता पाये
कृतत कृतत हम श्री अष्टसखा पाये
तृतत तृतत हम श्री यमुनाजी पाये
भृगत भृगत हम श्री नाथजी पाये
यही ही है हमारे भाग्य
यही ही है हमारे आतुज्य
यही ही है हमारे सायुज्य
यही ही है हमारे साख्य
" Vibrant Pushti "
" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

पैसा है?

पैसा ही - पैसा से - पैसा धर्म

तुलना - देखना - स्वीकारना

साथ निभाना - दोस्ती निभाना - रास्ता निभाना

वादा निभाना - जीवन जीना - हसते रहना

शिक्षा पाना - सूचन स्वीकारना - संस्कार जगाना

सर्वोत्तम धर्म - सर्वोच्च जीवन - सर्वाधिक अपनापन

बैठना - जुडना - बांधना

सत्य मानना - स्वर मिलाना - खडा रहना

रास्ता जताना - हल पाना - मुख्यता समझना

सदा मगन रहना - सदा उनके लिए ही भटकना

जो कहे वह सच - जो करे वह सच - जो पहने वह सच

पैसा - पैसा - पैसा - पैसा

बिन कुछ नही - बिन कुछ न सही - बिन कुछ न भयी

पैसा सतयुग - पैसा धर्मयुग - पैसा विद्यायुग

पैसा गीत - पैसा संगीत - पैसा हकीकत

बिन पैसा सबकुछ खोया - बिन पैसा नही जीवन पाया

पैसा ही प्यार - पैसा ही व्यवहार - पैसा ही सारवार

हे पैसा वासी! हे पैसा धारी! हे पैसा यारी!

मैं कितना देवादारी - मैं कितना अहंकारी - मैं कितना प्रतिष्ठारी

एकांत सोचना - आखरी पल सोचना - स्व चरित्र सोचना

🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏🙏

" Vibrant Pushti "

"जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

हे गिरिधर गोपाल!

हे गिरिधर नागर!

हे गिरिराज धरण!

हे गिरिराज वरण!

हे गिरिधर गोपाला तु हो जा मेरा गोविंदा

हे गिरिधर गिरिधर गोपाला तु है मेरा बाल मुकुंदा

हे गिरिधर नागर गोपाला तु है मेरा रखवाला

हे गिरिधर नागर नटवरलाल तु है मेरा नंदलाल

हे गिरिराज धरण मैं तो तुम्हरी शरण

हे गिरिराज धरण मैं तो तुम्हरी रमण

हे गिरिराज वरण मैं तो तुम्हरी दास

हे गिरिराज वरण मैं तो तुम्हरी पास

गिरिधर गिरिधर

गोपाल गोपाल

गिरिराज गिरिराज

शरण शरण

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" माँ "

कौन माँ नहीं है?

हम जिनके अंश है तो वह अंशी माँ ही है

हमारा मनुष्य तत्व - स्त्री हो या पुरुष हम माँ ही है

हर रज रज माँ है

हर हर तत्व माँ है

हर आत्मा माँ है

संयोजन परिवर्तन अर्थात माँ

हम से उत्स हो तो हम माँ

हम से प्रक्ट हो तो हम माँ

हम से प्रार्दुभाव हो तो हम माँ

हम से जन्म हो तो हम माँ

हमारी हर ओर माँ ही है

माँ को समझना - पहचानना और पाना तो हम परमात्मा

माँ - समर्पण - दया - कृपा - वात्सल्य - करुणा

माँ - नि:कलंक, निरपेक्ष, नि:संदेह,

माँ - पवित्र, विश्वास, प्रेममय

माँ - सब जाने - सब समझे - सब पहचाने

अदभुत - अलौकिक - अविस्मरणीय

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

" यमुना "

यम से शिस्त

यमुना से सिद्ध

जन्म धरा जबसे हमने

शिस्त स्वीकारा सिद्धि पायी

जन्म धरा तो मृत्यु है ही

पर

शिस्त अपनाया तो सिद्धि पायी

तो

भक्ति जागी पुष्टि सिंचाई

तो

मृत्यु भागी व्रज वास ध्याई

यमुना यमुना से गोवर्धन बसाई

यही है भक्तिवर्धिनी

यही है पुष्टि संवर्धनी

यही है श्रीवल्लभ दर्शनी

यही है श्री श्रीनाथजी वंदनी

हे यमुना! सदा ठकुराणी घाट स्पंदना 🙏

" Vibrant Pushti "

" जय श्री कृष्ण " 🌷🙏🌷

सकारात्मक स्पंदन पुष्टि - पुष्टि संवर्धन

"Vibrant Pushti"

Inspiration of vibration creating by experience of

life, environment, real situation and fundamental elements

"Vibrant Pushti"

53, Subhash Park, Sangam Char Rasta

Harni Road, City: Vadodara - 390006

State: Gujarat, Country: India

Email: vibrantpushti@gmail.com

" जय श्री कृष्ण "